बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अप्रैल, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A)	"सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंतर्गत युवकों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण	03
(B)	बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण	04
(C)	जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के शिक्षकों का प्रशिक्षण	05
(D)	राष्ट्रीय कार्यशाला में बीएसडीएमए की भागीदारी	06
(E)	एनआईटी के साथ प्रोजेक्ट वर्क	07
(F)	अग्नि सुरक्षा सप्ताह : जोखिम न्यूनीकरण व जागरूकता के कई कार्यक्रम	08
(G)	आरवीएस गाइडलाइन	09
(H)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	10
(I)	व्यय विवरणी	11
(J)	जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	12

(A) "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंतर्गत युवकों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

प्राधिकरण के तत्वावधान में ''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम के अंतर्गत डूबने से होनेवाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से विभिन्न जिलों के चिह्नित अंचलों के चयनित युवक/युवतियों को निर्धारित अर्हताओं के अनुसार मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्ष–2019 के मई माह में इसे प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षुओं को सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य की जानकारी दी जाती है। तैराकी प्रशिक्षण, डूबते को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार आदि विषयों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम के तहत 14वें बैच में दिनांक 05.04.2023 से 13.04.2023 तक पूर्वी चंपारण जिले के कुल 22 प्रशिक्षुओं एवं 15वें बैच में दिनांक 21.04.2023 से 29.04.2023 तक सुपौल जिले के कुल 31 प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक 09 दिवसीय मॉड्यूल के अनुसार मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अप्रैल माह 2023 का प्रशिक्षण विवरण निम्नांकित है :

बैच सं0	**तिथि**	**जिला**	**प्रखण्ड**	**स्थान**	**कुल प्रशिक्षित प्रशिक्षु पुरूष**	
14 वां	05.04.2023 से 13. 04.2023	पूर्वी चंपारण	अरेराज, सुगौली, एवं बंजरिया	NINI	मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित प्रशिक्षु	22
					तैराकी प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षु	01
15 वां	21.04.2023 से 29. 04.2023	सुपौल	सुपौल, सरायगढ़ भपतियाही, निर्मली एवं मरौना	NINI	मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित प्रशिक्षु	31
कुल =53 मास्टर ट्रेनर्स +01 तैराकी प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षु						54

इस प्रकार अप्रैल माह 2023 तक कुल 15 बैच में पटना, वैशाली, खगड़िया, बेगूसराय भोजपुर, गया, बांका, गोपालगंज, कटिहार, सारण पूर्णिया भागलपुर, औरंगाबाद, पूर्वी चंपारण एवं सुपौल जिलों के कुल 271+53=324 युवकों एवं 9 + 15 = 24 युवतियों को मास्टर ट्रेनर्स तथा कुल 25 युवतियों एवं 09 +1 = 10 युवकों को तैराकी में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(B) बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण

राज्य में डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाने के उद्देश्य से सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन पूर्णिया एवं पटना के द्वारा चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 06 से 18 आयु वर्ग के बालकों का प्रशिक्षण अप्रैल माह 2023 में संचालित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन संबंधित जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (नीनी), पटना में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पूर्णिया एवं पटना के द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालकों का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास के प्रशिक्षण को सम्पन्न करवाया गया। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित प्रखंडों के अंतर्गत चयनित घाटों पर बनाए गए अस्थायी तरणताल में प्रदान किया गया।

अप्रैल माह 2023 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0 सं0	**जिला का नाम**	**प्रखण्ड**	**प्रशिक्षण की तिथि** (अप्रैल माह 2023)	**बैचों की संख्या**	**सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या (निम्नलिखित प्रखंडों के अंचलाधिकारियों/ मास्टर ट्रेनर्स से दूरभाष से प्राप्त सूचना के अनुसार)**
01	पूर्णिया	तालबाड़ी, **बायसी** सिरसी, **बैसा** रंगपुरा, **धमदाहा** बेलगच्छी, **अमौर**	10.04.2023 से 21.04.2023	04	120
02	पटना	शेरपुर, **मनेर**	17.04.2023 से 28.04.2023	01	27
				कुल	**147**

अप्रैल माह 2023 में पूर्णिया जिले के बायसी, बैसा, धमदाहा एवं अमौर प्रखंडों में कुल 120 बालकों को एवं पटना के मनेर प्रखण्ड के कुल 27 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 1467 बालक/बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(C) जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के शिक्षकों का प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण आयोजन करने का निर्णय लिया गया ताकि इनके माध्यम से जिला एवं प्रखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाले शैक्षिक प्रशिक्षण में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम को शामिल किया जा सके। साथ ही इसका एक उद्देश्य डायट के प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से सभी कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर फोकल शिक्षक तैयार करना भी है। इन फोकल शिक्षकों के माध्यम से सभी कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार) का आयोजन कर बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के बारे जानकारी देकर जागरूक किया जाएगा। बच्चे विभिन्न प्रकार की आपदाओं से खुद अपना बचाव कर सकेंगे एवं सुरक्षित वातावरण में पठन–पाठन का कार्य संपन्न हो सकेगा। इसी आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, शिक्षा विभाग के तत्वावधान में जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 24–25 अप्रैल एवं 26–27 अप्रैल, 2023 को राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना में आयोजित किया गया। इसमें कुल 154 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

(D) राष्ट्रीय कार्यशाला में बीएसडीएमए की भागीदारी

दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को विज्ञान भवन, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार प्राधिकरण की ओर से डॉ. बी. के. सहाय तथा दिलीप कुमार ने भाग लिया। यह कार्यशाला भारत में एसडीएमए/डीडीएमए का सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण (Strengthening and Capacity Building of SDMA /DDMA in India) विषय पर आयोजित की गयी थी। श्री प्रवीण परदेशी, अध्यक्ष कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन, एनडीएमए से श्री कमल किशोर, श्री कृष्णा वत्स, श्री अलोक, श्री कुणाल सत्यार्थी आदि लोगों ने भाग लिया और प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यशाला काफी रोचक और ज्ञानवर्धक रही। पूरे भारत में आपदा प्रबंधन का काडर तैयार करने पर बल दिया गया ताकि सभी राज्य पूर्णतया आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर कार्य करने हेतु सक्षम हो सकें।

श्री पी. के. मिश्रा, माननीय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने समेकित तौर पर कार्यक्रम को सराहा तथा कार्यशाला में लिए गए निर्णयों पर आगे सभी राज्यों को कार्य करने हेतु निदेशित किया। दिव्यांगजनों को आपदाओं में सुरक्षित रखने के उपायों तथा आपदा प्रबंधन कार्यों में उच्च तकनीक के व्यापक इस्तेमाल की प्राधिकरण की अनुशंसा को विचारोपरांत कार्ययोजना में शामिल किया गया।

विश्वविद्यालयों में आपदा प्रबंधन की पढ़ाई

राज्य के विश्वविद्यालयों में आपदा प्रबंधन की पढ़ाई शुरू करने के मुद्दे पर कुलपतियों व शिक्षाविदों की राज्यस्तरीय कार्यशाला में एक को–आर्डिनेशन समिति का गठन किया गया जिसकी दो बैठकें प्राधिकरण द्वारा आयोजित की गयी हैं। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स, फाउंडेशन कोर्स और पीजी डिप्लोमा कोर्स के मॉडल पाठ्यक्रम पर गंभीर मंथन किया गया है। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालयों में इसी सत्र (वर्ष–2023–24) से इसकी पढ़ाई शुरू करने की दिशा में पहल की गई है। बिहार की जरूरतों को ध्यान में रख मॉडल पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। इस पाठ्यक्रम को लागू करने में प्राधिकरण विश्वविद्यालयों को हर सहयोग करने को तैयार है। शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों, अधिकारियों को प्राधिकरण प्रशिक्षित करेगा। बैठक में कहा गया कि सभी विश्वविद्यालय सबसे पहले अपनी–अपनी कार्ययोजना बना लें। सभी सम्बंधित को कार्यवृत्त (MoM) आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दिया गया है। सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेज कर कम से कम दो संकाय सदस्यों को आपदा प्रबंधन सम्बन्धी प्रशिक्षण हेतु नामित करने का अनुरोध किया गया है।

(E) एनआईटी के साथ प्रोजेक्ट वर्क

राज्य में स्थित ऐतिहासिक महत्व के स्थलों और पुरातात्विक धरोहरों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पटना के साथ संयुक्त रूप से कार्यक्रम करने हेतु प्रोजेक्ट वर्क के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और एनआईटी, पटना को प्रोजेक्ट वर्क शुरू करने हेतु सूचित कर दिया गया है। एनआईटी ने प्रस्ताव के अनुसार एक रिसर्च टीम का गठन किया है और कार्य शुरू करने हेतु 50 प्रतिशत राशि की मांग की है। प्रोजेक्ट शुरू करने हेतु 10 प्रतिशत राशि ही अग्रिम निर्गत की जा सकती है एनआईटी को इस तथ्य से अवगत करा दिया गया है।

मुंगेर सीडीएमपी को दिया जा रहा अंतिम रूप

मुंगेर नगर निगम क्षेत्र के लिए नगर आपदा प्रबंधन योजना (सीडीएमपी) को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है। इसके लिए नगर निगम, मुंगेर के पदाधिकारियों तथा नॉलेज लिंक्स एजेंसी के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। सारी आपदाओं के रिस्पांस प्लान कों अलग–अलग पृथक चैप्टर में डाला गया है। नॉलेज लिंक्स के प्रस्तुतिकरण को मूलरूप से उपयुक्त पाया गया। थोड़ी–बहुत भाषाई अशुद्धियां सुधारने का निर्देश दिया गया। यह बताया गया कि सीडीएमपी के वार्षिक अद्यतन का प्रावधान है और हर वर्ष इसमें आपदाओं का उचित प्रबंधन जोड़ा जा सकता है। नॉलेज लिंक्स इस पर उचित कार्यवाही कर रहा है।

(F) अग्नि सुरक्षा सप्ताह : जोखिम न्यूनीकरण व जागरूकता के कई कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बैनर तले 14 से 20 अप्रैल, 2023 के बीच राज्य भर में अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। विभिन्न जिलों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की देखरेख में नुक्कड़ नाटक, मॉकड्रिल आयोजित कर लोगों को आग से बचाव की जानकारी दी गई। अग्नि सुरक्षा से जुड़ी प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण लोगों के बीच किया गया। इधर, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अगुवाई में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जागरूकता के कई कार्यक्रम राजधानी में आयोजित किए गए। मलिन बस्तियों में काम करने वाली संस्था इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसायटी (आई.जी.एस.एस.एस.) के सहयोग से राजधानी की 10 मलिन बस्तियों में अगलगी के खतरे का विस्तृत आकलनध्मानचित्रण (हजार्ड मैपिंग) किया गया। लोहानीपुर, महमुदीचक मुसहरी, महमुदीचक पीडब्ल्यूडी, बहादुरपुर मुसहरी, श्याम मंदिर मुसहरी, बाजार समिति, बहादुरपुर झुग्गी झोपड़ी, रामपुर, नंद नगर, लोहिया नगर मलिन बस्तियों में आग के खतरे की पड़ताल की गई। दमकल गाड़ी के मौके पर पहुंचने की संभावना और निर्बाध पानी की आपूर्ति की संभावना तलाशी गई। बस्तियों की संकरी गलियों में झूलते बिजली के खुले नंगे तार, घरेलू गैस सिलेंडर व हीटर अगलगी के खतरे की संभावना को जन्म दे रहे हैं। इस बाबत टीम ने लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। उन्हें सुरक्षा के उपाय बताए।

इसके अलावा एनसीसी उड़ान से जुड़े स्वयंसेवकों ने राजधानी के कुल 16 स्थानों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण किया। आग न लगे और यदि लग जाए, तो क्या करना है और क्या नहीं करना है, यह लोगों को बताया गया। एनसीसी उड़ान की टीम जेडी वीमेंस कॉलेज और मिलर हाई स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों में भी गई और वहां छात्र–छात्राओं व शिक्षकों के बीच मॉकड्रिल का आयोजन किया।

मंथन कला परिषद, खगौल के कलाकारों ने राजधानी के 14 स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिये आग से सुरक्षा का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक देखने बड़ी संख्या में लोग उमड़े। वरिष्ठ रंगकर्मी प्रमोद कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में कलाकारों ने नाट्य प्रस्तुति दी।

(G) आरवीएस गाइडलाइन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आईआईटी, पटना के बीच संपन्न करार के तहत रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग (आरवीएस) गाइडलाइन तैयार कर ली गई है। प्राधिकरण को यह जल्द ही सौंपी जाएगी। इस मार्गदर्शिका के जरिये पुराने मकान को बिना तोड़ फोड़ किए, उसे आंखों से देख कर और छूकर यह पता लगाया जा सकेगा कि यह मकान भूकंप को बर्दाश्त कर पाएगा या नहीं। उक्त मार्गदर्शिका पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजी जानी है। इस हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है

बीएसटीएन फील्ड स्टेशन में जल रिसाव की समस्या दूर

बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था । उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्रवाई हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया ।इधर, राज्य के विभिन्न

जिलों में नवनिर्मित बीएसटीएन फील्ड स्टेशन में जल रिसाव की सूचना मिली थी। इस आलोक में प्राधिकरण की दो सदस्यीय टीम ने छपरा, गोपालगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर निरीक्षण के दौरान देखा गया कि जल रिसाव की समस्या को ठीक कर लिया गया है।

भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा के लिए क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है।प्राचार्य को पूर्णता प्रतिवेदन प्राधिकरण को भेजने का अनुरोध किया गया।

कार्यालय स्थानांतरण

प्राधिकरण कार्यालय का नये पटेल भवन में स्थान्तरण से सम्बंधित कार्यों में लगातार लगे रहना। भवन निर्माण विभाग के साथ समन्वय बनाये रखना जिससे कार्यालय स्थान्तरण का कार्य ससमय हो सके।

सीडीएमपी

बिहारशरीफ, दरभंगा, पटना के नगर आपदा प्रबंधन योजना (सीडीएमपी) से सम्बंधित कार्य का संपादन किया गया। सम्बंधित एजेंसी तथा नगर निगम के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया गया।

(H) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अप्रैल माह, 2023 में राज्य के कुल 369 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 62 सरकारी एवं 307 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

Month April -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise							
Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	3	42	45
2	Nalanda	0	0	0	1	11	12
3	Rohtas	3	0	3	0	17	17
4	Bhabhua	2	0	2	0	4	4
5	Bhojpur	0	0	0	1	3	4
6	Buxar	2	0	2	0	2	2
7	Gaya	2	0	2	6	8	14
8	Jehanabad	1	0	1	0	4	4
9	Arwal	0	0	0	1	4	5
10	Nawada	0	0	0	0	10	10
11	Aurangabad	0	0	0	4	3	7
12	Chhapra	0	0	0	1	7	8
13	Siwan	1	0	1	0	6	6
14	Gopalganj	0	0	0	2	2	4
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	25	25
16	Sitamarhi	0	0	0	1	4	5
17	Sheohar	0	0	0	0	1	1
18	Bettiah	0	0	0	0	6	6
19	Motihari	3	2	5	3	30	33
20	Vaishali	2	0	2	0	12	12
21	Darbhanga	0	0	0	2	7	9
22	Madhubani	0	0	0	1	12	13
23	Samastipur	0	0	0	1	8	9
24	Saharasa	1	0	1	1	2	3
25	Supaul	0	0	0	1	3	4
26	Madhepura	0	0	0	2	3	5
27	Purnea	1	1	2	0	9	9
28	Araria	0	0	0	1	4	5
29	Kishanganj	0	0	0	0	6	6
30	Katihar	0	0	0	2	9	11
31	Bhagalpur	1	0	1	1	12	13
32	Banka	0	0	0	1	3	4
33	Munger	0	0	0	3	6	9
34	Lakhisarai	0	0	0	0	0	0
35	Shekhpura	0	0	0	0	2	2
36	Jamui	1	0	1	0	5	5
37	Khagaria	0	0	0	1	0	1
38	Begusarai	0	0	0	2	12	14
Total		20	3	23	42	304	346

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 8,797 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका लें।

(I) व्यय विवरणी

Expenditure report – April' 23		
1	Commercial & Special Services	22,54,665
2	Office Expenditure	4,92,548
3	Mason/ Enginner Traning	1,980
4	Safe Swim	6,22,550
5	Heat Action Plan	70,450
6	VDMP	1,20,321
7	CDMP	6,372
8	SDMF	2,700
9	Publication & Printing	1,043
10	Sonpur Mela 2022	88,176
11	Electricity	785
12	Traveling Allowance	1,13,955
13	Medical	2,000
14	Telephone	13,264
15	Bihar Diwas 2023	1,90,540
16	Hadicapped	13,264
17	"Inse Miliye"	6,660
18	University	65,263
19	" Upscaling of Aapada Mitra"	1,18,60,703

(J) जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

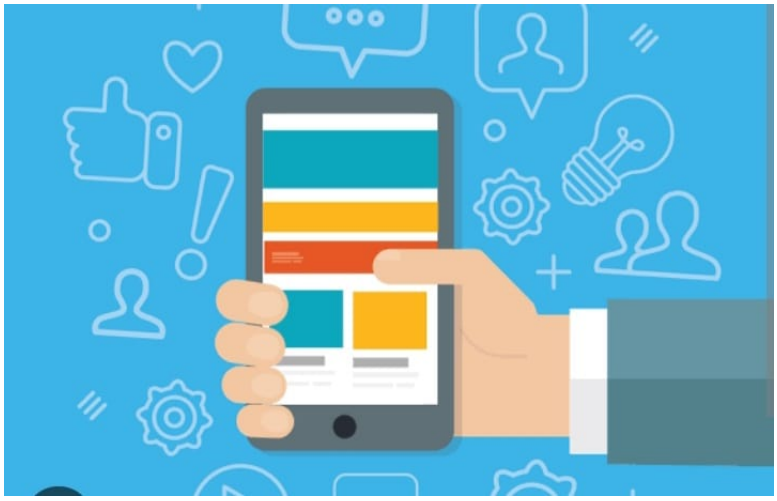

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर, लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। मार्च, 2023 में कुल 2748536 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिए गर्म हवाएं/लू और सड़क दुर्घटना से बचाव की जानकारी दी गई।